राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 203 | जौनपुर | बुधवार, 12 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

यूको बैंक में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूको बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन होटल दयाल गेट वे गोमती नगर में किया गया। इस अवसर पर यूको बैंक की महिला स्टाफ सदस्य उपस्थित थीं। अंचल प्रमुख श्री आशुतोष सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए समाज में महिलाओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिलाएं इतनी सक्षम हैं कि वे अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। आज महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। श्रीमती निकिता पांडेय, उप अंचल प्रमुख लखनऊ ने भी सभी को संबोधित किया और जीवन के सभी पक्षों में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डा शिल्पी शुक्ला, वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा ने महिला दिवस मनाए ।

यूपी के अफसरों की इस हरकत से परेशान सीएम योगी भड़के

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ ने बैठक के बहाने बार–बार दिल्ली जाने वाले अफसरों के दौरे पर कड़ी नाराजगी जताई है. सूत्रों के मुताबिक सीएम योगी ने कहा कि अब से कोई भी अधिकारी सक्षम स्तर से अनुमति लेने के बाद ही प्रदेश के बाहर जाए. उन्होंने कहा, दिल्ली में किसी मीटिंग में कौन सा अधिकारी जा रहा है, उसकी पूरी रिपोर्ट से उन्हें भी अवगत कराया जाए. । मुख्यमंत्री ने सोमवार को सभी मंत्रियों के साथ विभागीय कामकाज को लेकर बैठक की, इस दौरान कामकाज को लेकर समीक्षा के दौरान सीएम योगी ने ये बात कही है. मुख्यमंत्री ने कहा कुछ अधिकारियों का मीटिंग के नाम पर अक्सर दिल्ली जाना ठीक नहीं है.

अगर जाना जरूरी है तो उचित कारण बताएं और सक्षम स्तर से अनुमति लेने के बाद ही प्रदेश छोड़ें. सीएम योगी ने बैठक में सभी मंत्रियों को अपने–अपने प्रभार वाले जिलों में कामकाज को लेकर कामकाज पर नजर बनाए रखने और समीक्षा के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि यूपी की अर्थव्यवस्था को दस खरब बनाने को ध्यान में रखकर लगातार बैठकें की जाएं और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरे प्रयास हों. उन्होंने कहा कि सभी प्रभार वाले मंत्री समय–समय पर अपने प्रभार वाले जिलों में जनता के बीच जाए और सरकार के कामों का जिक्र करें. मुख्यमंत्रियों ने मंत्रियों को जनता के बीत महाकुंभ के बारे में चर्चा करने के निर्देश भी दिए और कहा कि वो लोगों को महाकुंभ में सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं को लेकर बात करें और उन्हें वहां के वीडियो भी दिखाएं. सीएम ने बैठक में महाकुंभ के उस वीडियो को भी दिखाया जिसे जनता को दिखाने के लिए बनाया गया है। सीएम योगी की ये बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही हैं क्योंकि रविवार को मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की थी। सीएम ने मंत्रियों से भी कहा कि वह भी अपने–अपने प्रभार वाले जिलों में लगातार समीक्षा करें। इसके अलावा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ₹10 खरबश करने को ध्यान में रखकर लगातार बैठकें करने और योजनाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए। गन्ना, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, परिवहन समेत करीब आध ा दर्जन विभागों की मासिक समीक्षा बैठक न किए जाने पर भी मुख्यमंत्री ने असंतोष जताया। बैठक में मुख्यमंत्री को महाकुंभ से संबंधित उस वीडियो को भी दिखाया गया। उसे जनता को दिखाने के लिए तैयार कराया गया है। सीएम ने कहा कि 25 मार्च को प्रदेश सरकार का तीन साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसलिए सभी मंत्री जनता के बीच सरकार की आठ साल की उपलब्धियों को बताएं। जनता की समस्याओं की सुनवाई करें और उसका समाधान कराएं।

टीएमसी सांसद ने मनरेगा फंड का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान उस समय काफी हंगामा देखने को मिला, जब टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी सत्ता पक्ष से भिड़ गए। दरअसल मनरेगा फंड को लेकर कल्याण बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान कल्याण बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। लोकसभा अध्यक्ष ने किसी तरह मामले को संभाला। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सवाल किया कि मनरेगा योजना के लाभ उनके राज्य पश्चिम बंगाल को क्यों नहीं मिल रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने कहा कि श्लगातार मंत्रालय कह रहा है कि 25 लाख फर्जी मामलों का पता चला है। हम कह रहे हैं कि अगर फर्जी मामलों का पता चला है तो कार्रवाई करें, जांच करें और जो गिरफ्तार किए जाते हैं, उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाए, लेकिन आप 25 लाख मामलों के चलते 10 करोड़ लोगों का फंड नहीं रोक सकते। कल्याण बनर्जी ने अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि श्आप एक केंद्रीय मंत्री हैं, लेकिन आपका व्यवहार ऐसा है...आपको किसने मंत्री बनाया?श कल्याण बनर्जी की इस टिप्पणी पर तुरंत सत्ता पक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और टीएमसी सांसद की टिप्पणी पर आपत्ति जाहिर की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कल्याण बनर्जी की भाषा पर सवाल उठाए। हंगामा बढ़ते देख लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से अपील की कि वे आसन को संबोधित करें और एक दूसरे पर टिप्पणी न करें। लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि अपने शब्दों का पूरी सावधानी से इस्तेमाल करें, अगर कोई कुछ अनाधिकारिक तौर पर कह रहा है तो उस पर प्रतिक्रिया न दें। उल्लेखनीय है कि वित्तीय बजट 2025–26 पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि 25 लाख फर्जी

मनरेगा कार्ड का पता चला है और जो फंड गरीब लोगों के लिए था, उसे टीएमसी के कैडर ने लूटा। वित्त मंत्री के इसी बयान पर मंगलवार को कल्याण बनर्जी ने टिप्पणी की, जिसके बाद हंगामा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

दोस्तों के साथ घूमने गई भारतीय मूल की छात्रा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की 20 वर्षीय छात्रा सुदीक्षा कोनांकी को डोमिनिकन गणराज्य में लापता बताया गया है, जब वह दोस्तों के साथ स्प्रिंग ब्रेक ट्रिप पर गई थी। अधिकारियों का मानना है कि वह समुद्र की तेज लहरों में बह जाने के बाद डूब गई होगी। बायोलॉजिकल साइंस और केमिस्ट्री की छात्रा कोनांकी, सात महिलाओं के एक समूह का हिस्सा थी, जो पुंटा काना के रिउ रिपब्लिका होटल में छुट्टियां मना रही थीं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, वह और एक अन्य छात्रा बीच पर ही रुक गईं, जबकि समूह के बाकी सदस्य 5 मार्च की रात को अपने होटल लौट आए। कोनांकी को आखिरी बार 6 मार्च को सुबह 4: 50 बजे देखा गया था। उसके पिता, सुब्बारायडू कोनांकी ने ब्छछ को बताया कि सुदीक्षा और उसके दोस्त एक पार्टी में शामिल होने के लिए बीच पर गए थे। जबकि बाकी लोग होटल लौट आए, सुदीक्षा नहीं लौटी। बाद में समूह ने शाम 4 बजे उसके लापता होने की सूचना दी। डोमिनिकन गणराज्य में स्थानीय अधिकारी उसे ढूंढने के लिए हेलीकॉप्टरों और अन्य संसाधनों का उपयोग करते हुए व्यापक खोज अभियान चला रहे हैं, लेकिन खोज प्रयासों से अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है। अधिकारियों को संदेह है कि घटना के समय कथित तौर पर तैर रही कोनांकी को शक्तिशाली लहर ने समुद्र में खींच लिया होगा। हालांकि, उसके परिवार ने अपहरण या मानव तस्करी की संभावना के बारे में चिंता जताई है, अधिकारियों से पानी की तलाशी से परे जांच करने का आग्रह किया है। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय ने कोनांकी के परिवार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है और खोज में सहायता के लिए स्थानीय अधिकारियों और भारतीय दूतावास के साथ काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी विदेश विभाग ने डोमिनिकन गणराज्य के लिए लेवल 2 यात्रा सलाह जारी की है, जिसमें हिंसक अपराधों की चिंताओं के कारण यात्रियों से इस क्षेत्र में सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। कोनांकी परिवार को समाधान की उम्मीद है, उन्होंने अपनी बेटी की तलाश में सभी संभावनाओं का पता लगाने का आह्वान किया है।

ईडी की छापेमारी को भूपेश बघेल ने बताया प्रतिशोध की राजनीति

छत्तीसगढ़, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके आवास

पर की गई छापेमारी भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष को परेशान करने के लिए की गई राजनीतिक प्रतिशोध है। बघेल ने दावा किया कि ईडी के अधिकारी सुबह 7रू30 बजे उनके दुर्ग स्थित आवास पर उस समय पहुंचे जब वह चाय पी रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जब उन्होंने ईसीआईआर नंबर मांगा तो उन्हें नहीं दिया गया, जो एफआईआर के समान है। बघेल ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि ईडी के पास कोई प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) संख्या नहीं है। जब हमने इसके लिए पूछा तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। सात साल पहले मेरे खिलाफ एक गंभीर आरोप लगाया गया था। उस मामले में कुछ नहीं मिला क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बरी कर दिया। इस मामले में भी उन्हें कुछ नहीं मिलेगा। बघेल ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें न तो छत्तीसगढ़ विधानसभा में जाने दिया गया और न ही फोन इस्तेमाल करने दिया गया। बघेल ने दावा किया कि उन्होंने मुझे आज विधानसभा नहीं जाने दिया। उन्होंने मुझे फोन पर बात करने से भी रोक दिया। मेरी बेटी, मेरा बेटा, बहू और पोते–पोतियां यहीं रहते हैं। हम मुख्य रूप से 140 एकड़ जमीन पर खेती करके कमाते हैं। इससे पहले आज, केंद्रीय जांच एजेंसी ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 14 स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य के आवास भी शामिल हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह छापेमारी संसद में प्रमुख मुद्दों पर जवाब से बचने के लिए सरकार द्वारा ध्यान भटकाने वाली रणनीति का हिस्सा है।

खरगे के एक शब्द पर संसद में तनातनी राज्यसभा में जमकर हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपसभापति हरिवंश को कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर जमकर हंगामा हुआ। इसके लिए भाजपा ने उन पर जमकर निशाना साधा और माफी की मांग की। मामला बढ़ता देख मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी भी मांग ली। उन्होंने हाथ जोड़कर सफाई दी। उन्होंने आसन को संबोधित करते हुए कहा कि आपको नहीं, सरकार को ठोकेंगे। हम सरकार की बात कर रहे थे। दरअसल, राज्यसभा की कार्यवाही चल रही थी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष कुछ बोलना चाह रहे थे। तभी उपसभापति ने उन्हें रोका।

उपसभापति ने उनकी जगह कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह को बोलने को कहा। इस बीच मल्लिकार्जुन खरगे अपनी सीट से उठे और बोलना शुरू कर दिया। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने तानाशाही का आरोप लगा दिया। उन्होंने सीधे आसन की ओर इशारा करते हुए कहा कि तानाशाही चल रही है। मैं बोलना चाहता हूं। इसकी तैयारी भी की है और आपको क्या–क्या ठोकना है, ठीक से ठोकेंगे। इस पर उपसभापति ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आप सत्ता पक्ष से बहस करिए। इस बीच हंगामा शुरू हो गया। इस बीच खरगे ने यूटर्न लेते हुए कहा कि सरकार को ठोकेंगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने खरगे के बयान को सदन का अपमान करार दिया। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने मामले में खरगे को खूब खरीखोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुख की बात है कि विपक्ष के नेता ने ऐसी भाषा इस्तेमाल की। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल आसन के लिए किया। वह अनुभवी हैं और लंबे समय तक संसदीय सदस्य के रूप में काम किया। उन्होंने राज्य में भी काम किया है और राष्ट्रीय राजनीति में भी काम किया है। उन्होंने जिस भाषा का उपयोग किया है, वह सदन का अपमान है, आसन का अपमान है। यह निंदनीय है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आसन के लिए इस्तेमाल शब्द माफी योग्य नहीं है। यह अस्वीकार्य है। फिर भी कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। अपने शब्दों को वापस लेना चाहिए। इसे कार्यवाही से हटा देना चाहिए।

तीन-भाषा फॉर्मूले पर सियासत तेज

तमिलनाडु, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ने केंद्र की कथित दबाव रणनीति और एनईपी के राज्य की शिक्षा प्रणाली पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। चेन्नई के पास एक कल्याण सहायता वितरण समारोह के दौरान स्टालिन ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नाम पर, वे तमिलनाडु में शिक्षा को पूरी तरह से नष्ट करने के इरादे से नीतियां लागू कर रहे हैं। स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु को शिक्षा के लिए 2000 करोड़ रुपये तभी जारी करेगा जब राज्य त्रिभाषा नीति पर सहमत होगा, जिसमें हिंदी और संस्कृत शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकार नहीं करेंगे। मैं दोहराता हूं, केवल 2000 करोड़ रुपये ही नहीं, भले ही आप 100,000 करोड़ रुपये दें, हम इस खतरनाक एनईपी योजना को स्वीकार नहीं करेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रति डीएमके सरकार के विरोध को दोहराया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की

राज्य के खिलाफ की गई असभ्य टिप्पणी की निंदा की। भाजपा नेता द्वारा माफी मांगे जाने के बाद टिप्पणी को सदन के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। दक्षिणी राज्य की आर्थिक वृद्धि का हवाला देते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु भारत का दूसरा सबसे अधिक आर्थिक रूप से विकसित राज्य बन गया है। पिछले तीन वर्षों में 10 लाख करोड़ से अधिक निजी निवेश सुनिश्चित किया गया है। अगर कोई बाधा न होती, तो हमारे तमिलनाडु का विकास बहुत बेहतर होता। मुख्यमंत्री ने केंद्र की कथित दबाव रणनीति और एनईपी के राज्य की शिक्षा प्रणाली पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। चेन्नई के पास एक कल्याण सहायता वितरण समारोह के दौरान स्टालिन ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नाम पर, वे तमिलनाडु में शिक्षा को पूरी तरह से नष्ट करने के इरादे से नीतियां लागू कर रहे हैं। स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु को शिक्षा के लिए 2000 करोड़ रुपये तभी जारी करेगा जब राज्य त्रिभाषा नीति पर सहमत होगा, जिसमें हिंदी और संस्कृत शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकार नहीं करेंगे। मैं दोहराता हूं, केवल 2000 करोड़ रुपये ही नहीं, भले ही आप 100,000 करोड़ रुपये दें, हम इस खतरनाक एनईपी योजना को स्वीकार नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एनईपी शिक्षा का निजीकरण करेगी और छात्रों को अवसरों से वंचित करेगी। ष्शिक्षा का निजीकरण करना, उच्च शिक्षा को केवल अमीरों के लिए बनाना, शिक्षा को धर्म के साथ मिलाना, छोटे बच्चों के लिए भी सार्वजनिक परीक्षाएँ शुरू करना और कला, विज्ञान और इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए छम्म्ज जैसी प्रवेश परीक्षाएँ शुरू करना शिक्षा में केंद्र सरकार को और अधिक अधिकार देगा।

डाइंग डिक्लेरेशन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अपनी पत्नी को जलाकर हत्या करने के आरोप में 16 साल से अधिक समय बाद, सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यक्ति को बरी कर दिया है, तथा उस पर लगाई गई आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के फरवरी 2012 के आदेश को पलट दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत उसकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने अपनी पत्नी पर मिट्टी का तेल डाला और उसे आग लगा दी, जिसके कारण अस्पताल में तीन सप्ताह तक भर्ती रहने के बाद उसकी मृत्यु हो गई। जबकि

के लिए उसकी मृत्युपूर्व घोषणा पर सुनाया कि इस पर पूरी तरह से को संदेह का लाभ दिया। अदालत बयान संदेह से घिरा हो या जब को यह तय करने से पहले पुष्टि चाहिए कि किस बयान पर विश्वास संदेह से घिरा हुआ है या मृतक हैं, तो न्यायालयों को यह पता साक्ष्यों की तलाश करनी चाहिए किया जाए। यह मामले के तथ्यों पर निर्भर करेगा और न्यायालयों को ऐसे मामलों में सावधानी से काम करने की आवश्यकता है। यह मामला ऐसा ही एक मामला है। इस मामले में मृतका ने अपना रुख बदल दिया था और 18 सितम्बर 2008 को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए गए उसके अंतिम बयान में उसने अपने पति को दोषी ठहराया था, जिससे उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया था। अभियोजन पक्ष ने उसे दोषी ठहराने भरोसा किया, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला भरोसा करना गलत होगा, तथा आरोपी ने कहा कि जब मृत्यु पूर्व दिया गया कई असंगत बयान हों, तो अदालतों करने वाले साक्ष्य की तलाश करनी किया जाए। यदि मृत्यु पूर्व कथन द्वारा दिए गए मृत्यु पूर्व कथन असंगत लगाने के लिए पुष्टि करने वाले कि किस मृत्यु पूर्व कथन पर विश्वास

हम सब भारत मां के लाल, भेदभाव का कहां सवाल, हाथ जोड़ा डीएमके सांसदों से क्या बोले शिवराज

तमिलनाडु, (एजेंसी)। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और भाजपा के बीच वार–पलटवार के बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा दावा किया है। शिवराज ने संसद में कहा कि मैं खुद दो बार तमिलनाडु गया हूं, एक बार कृषि विभाग के काम से और एक बार ग्रामीण विकास के काम से। अब मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं लेकिन दोनों ही मौकों पर न तो ग्रामीण विकास मंत्री और न ही कृषि मंत्री मेरी बैठक में आए। मैं अनुरोध करना चाहूंगा कि केंद्र सरकार लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। तमिलनाडु से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई नाम शेष है तो हमें बताए, मैं खुद वहां चला जाउंगा। उन्होंने कहा कि हमसब भारत मां के लाल, भेदभाव का कहां सवाल। उन्होंने कहा कि हम तमिलनाडु के महान लोगों को सलाम करते हैं, तमिल संस्कृति को सलाम करते हैं, तमिल भाषा को सलाम करते हैं, हम सभी भारत माता के बेटे हैं, भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। हम विनम्रता के साथ तमिलनाडु के लोगों और किसानों की सेवा करेंगे। पीएम किसान

एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसका 100 प्रतिशत वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। 1 दिसंबर, 2018 से लागू इस योजना के तहत सभी भूमिधारक किसान परिवारों को तीन समान किस्तों में 6,000 रुपये की वार्षिक आय सहायता प्रदान की जाती है। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन योजना के दिशा–निर्देशों के अनुसार सहायता के लिए पात्र किसान परिवारों की पहचान करते हैं।

एक मुसलमान की रक्षा के लिए 5 हिंदू खड़े है - तेजस्वी यादव

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के एक विधायक द्वारा मुसलमानों से होली पर घर से बाहर न निकलने की अपील पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पूछा है कि क्या राज्य विधायक के पिता का है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चुनौती दी है कि वे विधायक को फटकारें और उनसे माफी मंगवाएं। मधुबनी जिले के बिस्फी से विधायक हरिभूषण ठाकुर बचोल ने अपनी टिप्पणी पर विस्तार से बताते हुए मीडिया से कहा कि टकराव से बचने के लिए मुसलमानों को होली पर घर पर ही रहना चाहिए। इस बार होली शुक्रवार (14 मार्च) को है और मुसलमान शुक्रवार को सामूहिक नमाज अदा करते हैं। तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने बयान दिया कि होली के मौके पर मुसलमानों को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। क्या यह पिता का राज्य है? वह कौन है? वो ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं? जब महिलाएं अपने सम्मान के लिए आवाज उठाती हैं तो वो (बिहार के सीएम नीतीश कुमार) उन्हें डांटते हैं। उन्होंने कहा कि क्या बिहार के सीएम नीतीश कुमार में हिम्मत है कि वो बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को डांट सकें। जेडीयू पर बीजेपी और संघ (आरएसएस) का पूरा प्रभाव है। उन्होंने कहा कि ये बिहार है यहां एक मुसलमान को बचाने के लिए पांच से छह हिंदू आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम बिहार में उनके एजेंडे को सफल नहीं होने देंगे। बिहार के सीएम नीतीश कुमार को उनसे (भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल) विधानसभा में माफी मांगने को कहना चाहिए। आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि यह देश सबके खून–पसीने से बना है। कोई ऐसी धमकी कैसे दे सकता है? क्या देश में कोई नया खाका विकसित हो रहा है? ऐसे में तेजस्वी यादव ने कहा कि एक मुसलमान की रक्षा के लिए 5 हिंदू खड़े हैं। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर के बयान पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव अहंकार में हैं क्योंकि उनके लिए यह लोकतंत्र नहीं बल्कि राजतंत्र है। वह संघर्ष करके राजनीति में नहीं आए हैं। वह लालू प्रसाद यादव के बेटे हैं और यह प्रतिष्ठा है। ठाकुर ने कहा था कि मैं मुसलमानों से अपील करना चाहता हूं कि साल में 52 जुमा (शुक्रवार) होते हैं। उनमें से एक जुमे पर होली का पर्व पड़ रहा है। इसलिए, उन्हें हिंदुओं को

त्योहार मनाने देना चाहिए और अगर उन पर रंग लग जाए तो उन्हें बुरा नहीं मानना चाहिए। अगर उन्हें इससे कोई दिक्कत हो तो उन्हें घरों में ही रहना चाहिए। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए यह जरूरी है।''

संपादकीय

धुआंधार जीत

होली से पहले ही हमारी क्रिकेट टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर उल्लास–उमंग का ऐसा रंग दिया कि हर भारतीय निखर उठा। होली से पहले देश में दिवाली का भी जश्न मना। देश के कोने–कोने ही नहीं, दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खूब तिरंगे लहराये। वहां तन–मन पर तिरंगे अहसास मुखरित हुए। निरंतर जीत की लय में नजर आ रही टीम ने देश की धड़कनों को उस समय ऊंचाई दी जब फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। एक ऐसी जीत जिस पर हर भारतीय गर्व कर सके। यह भारतीय क्रिकेट डिप्लोमेसी की भी बड़ी जीत थी, जिसने बताया कि क्रिकेट जगत में भारत के दखल का कोई विकल्प नहीं है। इस बार चौंपियन ट्रॉफी का आयोजक पाकिस्तान था, जिसने स्टेडियम तैयार करने और अपनी धरती पर यह वैश्विक स्पर्धा आयोजित करने को जी–जान लगायी और पैसा खर्च किया। लेकिन बावजूद इसके आईसीसी में भारतीय वर्चस्व के चलते हमारी टीम ने कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं खेला। भारत ने सारे मैच तीसरे देश दुबई में खेले। फिर चौंपियंस ट्रॉफी भी जीत ली। पाकिस्तान के हुकमरान व क्रिकेट के कर्ता–धर्ता मन मसोस कर रह गये। बहरहाल, भारतीय टीम का दस महीनों में यह दूसरा विश्व खिताब है। भारत ने जून, 2024 को टी–20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। कप्तान रोहित शर्मा को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उनकी कप्तानी में देश ने दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीता। सही मायनों में फाइनल में उन्होंने कप्तान की पारी खेली और शानदार–६ ुआंधार 76 रन बनाये। निश्चित रूप से फाइनल मैच में स्पिनरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कसे शिकंजे का ही नतीजा था कि न्यूजीलैंड को 251 पर बांध दिया गया। फिर रोहित की पारी के अलावा श्रेयस अय्यर व केएल राहुल की शानदार पारियों ने टीम को जीत के मुहाने तक पहुंचाया। ओपनर्स रोहित शर्मा और शुभमन गिल की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी ने टीम में जीत का जज्बा पैदा किया। दोनों धुरंधरों ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। बहरहाल, बारह साल बाद चौंपियंस ट्रॉफी में जीता खिताब भारतीयों को उल्लास से भर गया। वहीं टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में पच्चीस साल पहले न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार का भी बदला ले लिया। सुखद यह भी है कि हमारी टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय टीम तीन बार चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गयी। यह भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिये निश्चय ही गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट की एक खास उपलब्धि रही मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की खोज। वे शुरुआत में प्रस्तावित टीम का हिस्सा नहीं थे। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और विरोधियों को उन्हें समझने में खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की उपलब्धि ा यह भी है कि उसने आईसीसी इवेंट्स में पिछले 14 मैच लगातार जीते हैं। गर्व का पल यह भी है कि भारत के पास एक ही समय में टी–20 विश्व कप और चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब है। दुनिया की ऐसी अनुभवी टीम जिसमें रोहित शर्मा व विराट कोहली के पास नौ आईसीसी फाइनल खेलने का रिकॉर्ड है।

छोटे परमाणु रिएक्टर बदलेंगे ऊर्जा का परिदृश्य

मुकुल

विश्व में हाल में परमाणु ऊर्जा की तरफ नई दिलचस्पी पैदा हुई है और इसकी मुख्य वजह यह कि विभिन्न देश अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर गमन करना चाहते हैं। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दों को हल करने के लिए कई देश परमाणु ऊर्जा को एक स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत के रूप में देख रहे हैं। परमाणु ऊर्जा ने पिछले 50 वर्षों में पहले ही लगभग 70 गीगाटन (70 अरब मीट्रिक टन) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम किया है, और इसका निरंतर विस्तार नेट जीरो इमिशन (हानिकारक उत्सर्जन के उन्मूलन) के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। आने वाले समय में एआई सिस्टम के संचालन के लिए निरंतर ऊर्जा आपूर्ति की जरूरत पड़ेगी। पारंपरिक ऊर्जा स्रोत एआई सेक्टर की मांग पूरी नहीं कर सकते। इस समय सिर्फ परमाणु ऊर्जा ही इस जरूरत को पूरा कर सकती है। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण और मौजूदा संयंत्रों को अपग्रेड करना शामिल है। दुनिया में अब बड़े परमाणु रिएक्टरों के बजाय छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों का चलन बढ़ रहा है। भारत भी मॉड्यूलर रिएक्टरों के मामले में किसी से पीछे नहीं रहना चाहता। अभी हाल में प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु रिएक्टरों को संयुक्त रूप से विकसित करने की मंशा व्यक्त की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्जा महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) और एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों (एएमआर) के बारे में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत और फ्रांस ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर गमन के लिए परमाणु ऊर्जा एनर्जी मिक्स (विभिन्न ऊर्जा स्रोत) का एक अनिवार्य हिस्सा है। एसएमआर कॉम्पैक्ट परमाणु विखंडन रिएक्टर हैं जिन्हें कारखानों में निर्मित किया जा सकता है और फिर कहीं और स्थापित किया जा सकता है। वे आम तौर पर पारंपरिक परमाणु रिएक्टरों की तुलना में कम क्षमता वाले होते हैं। मॉड्यूलर रिएक्टर मॉड्यूलर डिजाइन पर आध ारित होता है। यह रिएक्टर छोटे और मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया

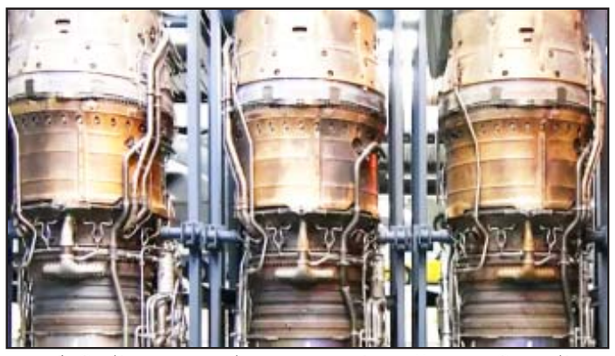

जाता है जिन्हें एक साथ जोड़कर एक बड़ा रिएक्टर बनाया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर छोटे आकार में बनाए जा सकते हैं, जिससे उन्हें आसानी से ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर की लागत कम होती है, क्योंकि उन्हें मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया जाता है। मॉड्यूलर रिएक्टर में पैसिव कूलिंग सिस्टम जैसे कई सुरक्षा उपाय होते हैं। इनकी दक्षता बढ़ाने के लिए कई तकनीकों का उपयोग किया जाता है। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) छोटे आकार के रिएक्टर होते हैं जो 10–100 मेगावाट की क्षमता वाले होते हैं। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों में उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाता है, जैसे कि पैसिव सुरक्षा प्रणाली, उन्नत ईंधन चक्र और उन्नत नियंत्रण प्रणाली। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को सेफ्टी के लिए डिजाइन किया जाता है। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को लागत की दृष्टि से प्रभावी बनाया जाता है। इंटीग्रल प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर (आईपीडब्ल्यूआर) और हाई–टेम्परेचर गैस–कूल्ड रिएक्टर (एचटीजीआर) एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों के कुछ उदाहरण हैं। आईपीडब्ल्यूआर रिएक्टर एक एकल इकाई में प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर और टर्बाइन को एकीकृत करते हैं जबकि एचटीजीआर रिएक्टर उच्च तापमान पर काम करते हैं और गैस कूलिंग का उपयोग करते हैं। निरूसंदेह, एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों का विकास और उपयोग परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि सुरक्षित, कुशल और लागत–प्रभावी ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर का उपयोग विद्युत उत्पादन के अलावा उद्योगों में ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इनका उपयोग विभिन्न चिकित्सा अनुप्रयोगों में भी किया जा सकता है। रेडियो आइसोटोप उत्पादन के लिए छोटे रिएक्टर बहुत उपयोगी होंगे। भारत का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा में अपने परिवर्तन के हिस्से के रूप में 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पन्न करना है। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम करने के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति अधिनियम के लिए नागरिक दायित्व में संशोधन पर भी विचार कर रही है। इस समय परमाणु ऊर्जा संयंत्र भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता 462 गीगावाट का 1.8 प्रतिशत और कुल बिजली उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत योगदान देते हैं। इससे सालाना लगभग 4.1 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत होती है। वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यालय को सौंपी गई अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति में भारत ने 2032 तक स्थापित परमाणु क्षमता में तीन गुना वृद्धि का अनुमान लगाया है। सरकार ने एसएमआर के अनुसंधान और विकास के समर्थन करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ एक परमाणु ऊर्जा मिशन शुरू करने की योजना की घोषणा की है। पहल के हिस्से के रूप में, भारत 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से विकसित एसएमआर को चालू करने की योजना बना रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं को शुरू किया है। देश में मॉड्यूलर रिएक्टर की स्थिति में तेजी से प्रगति हो रही है। मॉड्यूलर रिएक्टर परियोजना में अहमदाबाद में दो, काकरापार में चार, राजस्थान में दो, तमिलनाडु में दो मॉड्यूलर रिएक्टरों का निर्माण किया जा रहा है, जिनकी प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। आने वाले वर्षों में कई और परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

भारत में ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है और मॉड्यूलर रिएक्टर इस मांग को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास से भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में आत्मनिर्भर बन सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर के विकास में कुछ चुनौतियां और चिंताएं भी हैं। परमाणु ऊर्जा को कुछ लोग अक्सर स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में देखते हैं ।

ऋषिकर्म के बावजूद अधूरा रह गया सपना

राजेन्द्र

बीती सदी के पांचवें दशक से भारतीय मूर्तिकला के शीर्षस्थ स्तम्भ हिम्मत शाह का सपना था कि नये और साधनहीन ऐसे कलाकार, जिनके पास काम करने के लिए अपना स्ट्यूडियो नहीं हो, उनके लिए वह एक शानदार स्टूडियो बनायेंगे। इस सपने को साकार करने के लिए हिम्मत शाह अपनी चुनी हुई जिंदगी के एकांत में अनवरत रूप से कला साधना करते रहे। तमाम माध्यमों में काम करते हुए अंततोगत्वा समकालीन भारतीय मूर्तिकला के शीर्षस्थ स्तम्भ के रूप में स्थापित हुए। उनके स्कल्पचर अंतर्राष्ट्रीय कला बाजार में लोगों ने करोड़ों में खरीदे। इस कमाई को हिम्मत शाह ने अपने सपने का पूरा करने में लगाया। उनका यह सपना उनके 90वें जन्मदिन पर साकार होता दिखाई दिया। जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में चार मंजिले विशाल स्टूडियो में पेंटिंग, मूर्तिकला, प्रिंटमेकिंग, सिरेमिक के लिए अलग–अलग जगह हैं। सोलर सिस्टम, लिफ्ट, एयर कंडीशनर और अन्य गैजेट्स से सुसज्जित इस स्ट्यूडियो की कांच की दीवारें मनमोहक दृश्य पेश करती हैं। बानवें साल के हिम्मत शाह इस स्टूडियो को अन्तिम रूप में देने में जुटे थे कि दो मार्च, 2025 की सुबह दिल के दौरे ने उनकी सांसों को रोक दिया। शिद्दत से देखा और संपूर्ण जीवन शिद्दत से रचा हिम्मत शाह का सपना पूरा नहीं हो सका। 'स्टिल आई एम यंग' बानवें साल की उम्र में अपने आप को यंग बताना, हिम्मत शाह की अदम्य जिजीविषा को रेखांकित करती थी। भारतीय समकालीन मूर्तिकला के शीर्षस्थ कलाकार हिम्मत शाह का पूरा जीवन कला को समर्पित रहा। इसके बावजूद वह अपने जीवन की अन्तिम दिन तक थके नहीं। जब अपने मिलने वालों के बीच 'अभी बहुत काम करना है मुझे, एक सौ बीस साल तक जीऊंगा मैं' यह जुमला उछाल कर जब ठहाका लगाते तो वातावरण ठहाकों से भर जाता। उनकी इस जिंदादिली को देखकर हर कोई मान लेता कि एक सौ बीस न सही, सौ का आंकड़ा तो हिम्मत शाह जरूर पूरा करेंगे। गुजरात के लोथल में 22 जुलाई, 1933 को जैन परिवार में जन्मे हिम्मत शाह का जन्म ही कला के लिए हुआ था। व्यावसायिक परिवार में जन्मे हिम्मत शाह ने दस साल की उम्र में घर छोड़कर कला को चुना। सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर हिम्मत शाह ने एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा में अपने गुरु ख्यात कलाकार एनएस बेंद्रे से कला की बारीकियां सीखीं। वर्ष 1967 में फ्रांसीसी सरकार की छात्रवृत्ति पर दो साल के लिए पेरिस गये। वहां एटलियर 17 में प्रिंटमेकर एसडब्ल्यू हेटर और कृष्णा रेड्डी के अधीन अध्ययन किया। देश में इन्स्ट्रॉलेशन का दौर बहुत बाद में आया पर हिम्मत शाह ने पचास के दशक में ही 'बर्न पेपर कोलाज' जैसा इस्ट्रॉलेशन रच दिया था। जिसे देखकर उस समय के प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने कहा था कि भाई, मैं तो अनाड़ी हूं, इसके बारे में थोड़ा विस्तार से बताओ मुझे। हिम्मत शाह कहते थे कि उनके गुरु बेंद्रे साहब ने कहा था कि मैं तुम्हें आर्ट नहीं सिखा सकता ३आर्ट तुम्हें खुद ही ढूंढ़ना पड़ेगा ३यदि तुम्हें आर्ट समझ में आ गई तो आ गई, नहीं तो सात जन्मों तक समझ नहीं आयेगी। अपने गुरु एनएस बेंद्रे का गुरु मंत्र हिम्मत शाह को इस कदर समझ आया कि वह जीवन भर किसी एक माध्यम के मोहताज नहीं रहे। तैलरंग, जलरंगी चित्र, रेखांकन, कोलाज, जले हुए कागज से तैयार किये गये ।

.....स्वास्थ्य.....

चेहरे पर लगाएं ये एक चीज, पिगमेंटेशन की समस्या होगी छूमंतर

पिगमेंटेशन एक ऐसी समस्या है, जो आजकल लगभग हर किसी को परेशान करती है। चेहरे पर काले धब्बे, त्वचा का असमान रंग और सूरज की किरणों से होने वाली कालापन, ये सब पिगमेंटेशन के लक्षण हैं। हालांकि, इस समस्या से छुटकारा पाना अब मुश्किल नहीं है। यदि आप अपनी त्वचा को प्राकृतिक तरीके से सुंदर और ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो कच्चे दूध का उपयोग आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता

है। कच्चा दूध और कुछ अन्य छंजनतंस चीजों को मिलाकर आप पिगमेंटेशन की समस्या को आसानी से दूर कर सकते हैं।

कच्चा दूध और पिगमेंटेशनरू कैसे काम करता है?

कच्चे दूध में कई पोषक तत्व होते हैं, जैसे कि कैल्शियम, लैक्टिक एसिड और विटामिन, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हैं। लैक्टिक एसिड त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जिससे मृत कोशिकाएं हटती हैं और नई त्वचा उभरती है। यह त्वचा को नरम और मुलायम भी बनाता है। इसके अलावा, कच्चा दूध त्वचा के प्राकृतिक रंग को बेहतर बनाने में मदद करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है।

हल्दी और कच्चा दूध

हल्दी में एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को निखारने के साथ–साथ सूजन और जलन को भी कम करते हैं। हल्दी और कच्चे दूध का मिश्रण पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। एक चम्मच हल्दी पाउडर लें। उसमें 2–3 चम्मच कच्चा दूध मिलाएं। अच्छे से मिश्रण को बनाकर चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह मिश्रण त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है।

नींबू और कच्चा दूध

नींबू में विटामिन C होता है, जो त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करता है। नींबू का रस त्वचा को सफेद और चमकदार बनाता है, जबकि कच्चा दूध त्वचा को हाइड्रेट करता है। आधे नींबू का रस निकालें। उसमें एक चम्मच कच्चा दूध मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में चेहरे को धो लें। यह फेस पैक पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है और त्वचा को हल्का और निखरा बनाता है।

कच्चे दूध के अन्य फायदे

कच्चा दूध त्वचा को गहरे स्तर पर हाइड्रेट करता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा में कोमलता और चमक बनी रहती है। कच्चा दूध त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का काम करता है। इससे त्वचा पर मौजूद गंदगी और धूल मिटती है, और त्वचा साफ और ताजगी से भरपूर नजर आती है। कच्चा दूध चेहरे के रंग को समान बनाने में मदद करता है। यह त्वचा के काले धब्बों को हल्का करता है और त्वचा के टोन को एक समान बनाता है।

कच्चा दूध से संबंधित कुछ सावधानियां

अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है, तो कच्चे दूध का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट करें। नींबू का उपयोग ज्यादा न करें, क्योंकि यह त्वचा को सूखा कर सकता है। अगर आपकी त्वचा में किसी प्रकार की जलन या एलर्जी हो, तो इसे तुरंत धो लें और डॉक्टर से सलाह लें।

आलू और कच्चा दूधरू आलू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। आलू का रस और कच्चा दूध मिलाकर लगाने से पिगमेंटेशन कम होता है और त्वचा में निखार आता है।

बेसन और कच्चा दूधरू बेसन और कच्चा दूध का मिश्रण एक बेहतरीन स्क्रब की तरह काम करता है। यह त्वचा को मुलायम बनाता है और डेड सेल्स को हटाकर त्वचा को ताजगी प्रदान करता है।

कच्चा दूध और कुछ प्राकृतिक चीजों का संयोजन पिगमेंटेशन की समस्या को कम करने में बेहद प्रभावी साबित हो सकता है।

जनेऊ निकल आए तो हो जाता है दर्द से बुरा हाल, सिर्फ 1 देसी नुस्खा जो जल्दी देगा आराम

आपने चिकनपॉक्स का नाम सुना होगा। जिन्होंने चिकनपॉक्स संक्रमण का दर्द झेला उन्हें शिंगल्स होने का खतरा भी रहता है, जिसे आम भाषा में लोग जनेऊ निकलना या नागिन निकलना भी कह देते हैं। इस जनेउ त्वचा रोग या नागिन त्वचा रोग (छंहपदेापद क्पेमेंम) होने पर खास देखभाल करने की जरूरत रहती है नहीं तो यह इंफेक्शन बढ़ भी जाता है और बहुत दर्दभरा भी हो सकता है। शिंगल्स (भ्मतचमे ंवेजमत) एक वायरल इंफेक्शन हैं जो त्वचा पर दर्दनाक दाने, चकत्ते या फफोले के रूप में होता है। यह इंफेक्शन वैरिसेला–जोस्टर (टंतपबमससं ंवेजमत) नाम के वायरस के कारण होता है, जो चिकनपॉक्स का भी कारण बनता है। यह आमतौर पर शरीर के किसी एक भाग में एक पट्टी के रूप में दिखाई देता है इसीलिए इसे जनेउ और नागिन भी कहते हैं । बचपन में चिकनपॉक्स का संक्रमण झेलने वाले व्यक्ति का शरीर वायरस को हरा देता है लेकिन यह वायरस शरीर के अंदर ही निष्क्रिय रहता है लेकिन इम्यूनिटी कमजोर होने पर यह फिर से एक्टिव हो सकता है और शिंगल्स के रूप में उभर सकता है इसीलिए चिकनपॉक्स का संक्रमण झेलने वाले व्यक्ति को शिंगल्स होने की संभावना अधिक होती है। रिपोर्ट्स की मानें तो संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल लगभग 10 लाख लोगों को शिंगल्स (जनेऊ) होता है। चिकनपॉक्स होने वाले लगभग 10: लोगों को भविष्य में शिंगल्स होने की संभावना बनी रहती है। 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में इसका जोखिम अधिक होता है। शिंगल्स रोग संक्रमण होने पर शुरुआती लक्षण में हल्के दर्द, खुजली या झुनझुनी होती हैं लेकिन इसी के साथ पहले बुखार होना, ठंड लगना, सिरदर्द–थकान महसूस होना, रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, पेट की गड़बड़ी या अपच जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं।

कुछ दिनों बाद दिखने वाले लक्षण

त्वचा पर खुजली–झनझनाहट और जलन जैसे होना।

प्रभावित स्किन पर लालगी, दानों का उभरना।

पानी से भरे फफोले जो फटकर पपड़ी बना सकते हैं।

दर्द और जलन– प्रभावित स्किन पर तेज दर्द और जलन महसूस होती है।

लाल चकत्ते– प्रभावित हिस्से में त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते उभरते हैं।

फफोलेरू चकत्तों पर छोटे–छोटे पानी के फफोले बनते हैं।

थकान और बुखार– थकान और हल्का बुखार भी हो सकता है।

एक तरफा संक्रमण– यह रोग मुख्यतः शरीर के केवल एक हिस्से पर ही होता है, जैसे कमर, पीठ या चेहरे पर।

शिंगल्स (जनेऊ या नागिन त्वचा रोग) के कारण

शिंगल्स होने का मुख्यत कारण कमजोर इम्यूनिटी से ही जोड़ा जाता है। इसी के साथ कुछ अन्य कारक भी जिम्मेदार हो सकते हैं। जैसेः

बढ़ती उम्र के साथ इम्यूनिटी कमजोर होना।

पहले किसी गंभीर बीमारी जैसे कैंसर या एचआईवी के कारण।

लंबे समय तक स्टेरॉयड या दवाइयों का सेवन।

तनाव और मानसिक थकावट।

शिंगल्स (जनेऊ) कितने समय तक रहता है?

यह संक्रमण आमतौर पर 3 से 5 सप्ताह तक रहता है और पहले कुछ दिनों में ही स्किन पर जलन और दर्द होती है फिर एक तरफ के शरीर में छोटे– छोटे दाने उभरते हैं। ये दाने 2–4 दिनों में फफोले बनते हैं। 10 दिनों में ये फफोले सूखने लगते हैं और फिर 2–3 हफ्तों में ये दाने पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं।

क्या शिंगल्स फैलता है?

अगर किसी व्यक्ति को शिंगल्स है तो यह किसी और को शिंगल्स नहीं देता लेकिन इससे चिकनपॉक्स फैल सकता है। यह फफोलों से निकलने वाले पानी के सीधे संपर्क में आने से फैल सकता है इसलिए जब तक फफोले सूखकर पपड़ी न बन जाएं, तब तक यह संक्रामक ही रहता है।

शिंगल्स (जनेऊ) का इलाज कैसे किया जाता है?

1. एंटीवायरल और दर्द निवारक दवाइयां

त्वचा पर दिखने वाले दानों के आधार पर ही डॉक्टर शिंगल्स का इलाज कर सकते हैं हालांकि शिंगल्स के लिए कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए उपचार उपलब्ध हैं। डॉक्टर इंफेक्शन से बचाने के लिए एंटीवायरल और दर्द निवारक दवाइयां दे सकते हैं।

2. स्किन केयर

शिंगल्स में फफोले और चकत्तों को साफ और सूखा रखना महत्वपूर्ण है। खुजली से राहत पाने के लिए एंटीहिस्टामिन दवाइयां या लोशन का इस्तेमाल किया जा सकता है। कोई भी दवाई इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टरी परामर्श जरूरी है।

3. पोस्ट–हर्पेटिक न्यूरल्जिया (च्ब्छ) का इलाज

अगर शिंगल्स के उपचार के बाद भी लंबे समय तक दर्द बना रहता है तो इसके इलाज के न्यूरोपैथिक दर्द निवारक दवाइयां और अन्य तकनीकें शामिल होती हैं।

शिंगल्स की बचाव कैसे करें?

शिंगल्स से बचाव के लिए टीकाकरण जरूरी है। आप डॉक्टरी सलाह से टीका लगवा सकते हैं। चाहे पहले चिकनपॉक्स हुआ है या नहीं हुआ, इससे फर्क नहीं पड़ता, फिर भी टीका लगवाना उचित है। शिंगल्स वैक्सीन 50 साल और उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों को दी जाती है, जिससे संक्रमण का जोखिम और गंभीरता कम होती है।

इम्यूनिटी को मजबूत करें

संतुलित आहार खाएं।

नियमित व्यायाम करें।

योग और मेडिटेशन का सहारा लें ताकि स्ट्रेस फ्री रहे।

भरपूर नींद लें।

धूम्रपान और शराब से बचें।

क्या शिंगल्स खतरनाक हो सकता है?

जी हां, अगर यह आंखों को प्रभावित करता है तो अंधापन हो सकता है। कुछ दुर्लभ मामलों में, शिंगल्स सुनने की समस्या, निमोनिया, मस्तिष्क की सूजन और मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

जनेऊ ठीक करने का देसी व आयुर्वेदिक नुस्खा

जनेऊ निकलने के बहुत से लोग देसी नुस्खे भी बताते हैं। जिनमें से एक देसी नुस्खा डॉक्टर अमनदीप सिंह चीमा के फेसबुक पेज पर भी शेयर किया गया है।

पहला नुस्खाः सुबह खाली पेट "गुल दोपहरिया" 6 इंच का टुकड़ा हाथ के तलवे पर अंगूठे से मसलकर गोली बनाकर रोगी को देसी गाय के दूध से खिला दें और सारा दिन नमक, भोजन, अन्य खाद्य पदार्थ ना खाएं।

व्यक्ति को गाय का दूध और फल का सेवन ही करना है।

दूसरा नुस्खाः "हंसराज" बूटी और "चंदन" को सिलबट्टे पर "गुलाब के फूल" के रस में पीसकर इसका लेप बनाए और लगाए । इससे रोग जड़ मूल से नष्ट होगा हालांकि कोई भी नुस्खा अपनाने से पहले चिकित्सक संपर्क करना ना भूलें।

संभल की तरह अफसरों का गलत इस्तेमाल ठीक नहीं - मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि संभल की तरह अफसरों का इस्तेमाल किया जाना ठीक नहीं है। रमजान के दौरान पड़ रहे होली के त्योहार को आपसी भाईचारे में बदलना सभी के हित में साबित होगा। उन्होंने एक्स पर कहा कि जैसाकि विदित है कि इस समय रमजान चल रहे हैं और इसी बीच जल्दी होली का भी त्योहार आ रहा है, जिसे मद्देनजर रखते हुये यूपी सहित पूरे देश में सभी राज्य सरकारों को इसे आपसी भाईचारे में तब्दील करना चाहिए तो यह सभी के हित में होगा। अर्थात् इसकी आड़ में किसी भी मुद्दे को लेकर कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। सभी धर्मों के अनुयायियों के मान–सम्मान का बराबर ध्यान रखना बहुत जरूरी है। संभल की तरह अधिकारियों का गलत इस्तेमाल करना ठीक नहीं तथा इनको कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बता दें कि संभल के सीओ अनुज चौधरी का एक बयान वायरल हुआ था जिसमें वो कह रहे थे कि जिसको भी होली के रंगों से दिक्कत है वो घर के बाहर न निकले। उनके इस बयान पर काफी विवाद हुआ था। हालांकि, सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी उनके बयान का समर्थन किया था और कहा था कि वो एक पहलवान हैं इसलिए ऐसा बोल रहा है। लोगों को सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए। होली के दिन शुक्रवार भी पड़ रहा है जिसके कारण अफसरों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है।

32 हजार करोड़ की योजनाओं से संवर रहा सरोजनीनगर क्षेत्र – सीएम

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। राम मनोहर लोहिया विधि विवि में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से आयोजित तीन साल बेमिसाल, सरोजनीनगर आभार दिवस कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र 32 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं से संवर रहा है। इसमें विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की मुख्य भूमिका है। यही एक प्रतिबद्ध, समर्पित जनप्रतिनिधि की पहचान है। विकास की कई योजनाओं का काम पूरा हो चुका है। 1200 करोड़ रुपये की लागत से 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाले कन्वेंशन सेंटर का निर्माण भी इसी विधानसभा क्षेत्र में हो रहा है। डिफेंस कॉरिडोर, यूपी का पहला फोरेंसिक इंस्टिट्यूट, एरो सिटी, एआई सिटी के साथ डाटा सेंटर भी यहीं बन रहा है। 24 मार्च को सरकार के आठ साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर हर जिले में प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस दौरान सीएम ने 25 मेधावियों को लैपटॉप व 25 को साइकिल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान सरोजनीनगर से अमृतसर और करतारपुर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री को पवित्र जल और प्रसाद भी दिया। कार्यक्रम स्थल पर विकास कार्यों की लगाई गई प्रदर्शनी को भी सीएम ने देखा। सीएम ने कहा कि डॉ. राजेश्वर सिंह को जब पार्टी ने प्रत्याशी बनाया था, तब उनकी छवि एक पुलिस अफसर की थी। लोगों में आम धारणा होती है कि अधिकारी लोगों से संवाद कम करते हैं तो विधायक बनने के बाद कैसे करेंगे, लेकिन डॉ. सिंह ने लोगों से संवाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। विधानसभा में पहचान बनाई। कंपोजिट मॉडल स्कूल, भगवान परशुराम की प्रतिमा, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की प्रतिमा, सरोजनीनगर वृद्धाश्रम में कराए गए विकास कार्य, सरोजनीनगर तहसील में कराए गए विकास कार्य, 10 तारा शक्ति केंद्र, 5 ओपन एयर जिम, रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तीकरण केंद्र, 25 मंदिरों का जीर्णोद्धार, 20 परिषदीय विद्यालयों में 5–5 झूले, 15 स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट बोर्ड पैनल, पांच सार्वजनिक पुस्तकाल वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरोजनीनगर विधानसभा में पिछले तीन वर्षों में 41 विभागों की 4118 परियोजनाओं को धरातल पर उतारा गया। क्षेत्रीय विधायक ने हर वर्ग को साथ में जोड़ा। महिला व मेधाावियों के कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। जो बहुत ही सराहनीय है। सीएम ने योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। लाभार्थियों ने योजना से मिली सहूलियत के बारे में बताया। इस दौरान विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आश्वस्त किया कि जनता के हित संबंधी योजनाएं लगातार चलती रहेंगी। मशहूर कवयित्री अनामिका जैन अम्बर और अनन्या सिंह ने अपने सुरों से समां बांधी। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री वीरेंद्र तिवारी, पूर्व सांसद रीना चौधरी, राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह मौजूद रहे।

मॉडलों से दिखाई प्रतिभा

लखनऊ, (संवाददाता)। नेशनल पीजी कॉलेज में सोमवार को आयोजित प्रदर्शनी में कई महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने 20 से अधिक नवाचार मॉडलों का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि आईआईटीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. नातेशन मणिकक्म ने इनकी सराहना की। प्राचार्य प्रो. देवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि यह एक ऐसा मंच है, जहां छात्र छिपा हुई प्रतिभा को प्रदर्शित कर आगे बढ़ने का अवसर पा सकते हैं।

छात्राओं को स्टार्टअप की दी जानकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। एकेटीयू में छात्राओं के लिए विशेष स्टार्टअप टॉक का आयोजन किया गया। केसीआईआईएफ के निदेशक डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने कहा, महिलाओं की भागीदारी स्टार्टअप क्षेत्र में न केवल नवाचार को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक व आर्थिक प्रगति में भी योगदान देती है। इनोवेशन हब के हेड महीप सिंह ने नवाचार व उद्यमिता की दिशा में कार्य करने के टिप्स दिए। मैनेजर वंदना शर्मा ने स्टार्टअप शुरू करने की प्रक्रिया तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। अर्शिया लेखी, सिमरन लेखी आदि मौजूद रहे।

स्पतालों में अलर्ट मोड पर रहेंगे डॉक्टर – ब्रजेश पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बलिया में मेडिकल कॉलेज बनाने पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी। इसको लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि जिले के लोग लंबे समय से मेडिकल कॉलेज की मांग कर रहे थे। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने फैसला लिया कि वहां पर मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। होली पर्व को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि त्योहार को देखते हुए सभी चिकित्सकों को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है।

भाजपा पार्षदों ने महापौर का किया खुला विरोधय जमकर हुआ हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में शामिल न होकर भाजपा पार्षदों ने महापौर का खुला विरोध किया। महापौर के खिलाफ विरोध की यह चिंगारी करीब एक साल से सुलग रही थी। रामकी कंपनी को लाना, पार्षद कोटे के कामों में दखल और सफाई कार्य में लगी कार्यदायी संस्थाओं को हटाने की कोशिशों ने आग में घी का काम किया। इन मुद्दों को लेकर पिछले महीने ही पार्षदों ने महापौर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया था। इसके बाद कार्यदायी संस्थाओं को काम से हटाने का फैसला वापस हुआ। महापौर का कोटा दो साल पहले 25 करोड़ से बढ़ाकर 35 करोड़ किया गया था। इससे भी सभी दलों के पार्षद नाराज हैं। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में बजट पास कराने की महापौर की रणनीति पूरी तरह से फेल हो गई।घ्महापौर सोमवार सुबह नौ बजे नगर निगम पहुंचीं। दो कार्यकारिणी सदस्य भी साथ थे। हॉल में देखा तो अन्य कोई सदस्य नहीं पहुंचा था। न तो उनकी अपनी पार्टी भाजपा का, न विपक्षी दल सपा का। महापौर ने बैठकर सदस्यों का इंतजार किया। 10 बजे उन्होंने कार्यकारिणी सदस्यों को कॉल करना शुरू किया। सबके मोबाइल फोन बंद मिले। इसके बाद महापौर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के साथ वापस अपने कक्ष मे आ गईं। उनको सूचना भी मिल गई कि ये सब जानबूझकर किया गया है।घ्जो 10 सदस्य अनुपस्थित हैं, वो आएंगे भी नहीं। महापौर ने करीब 11रू30 बजे बैठक स्थगित करने की घोषणा के साथ अगली बैठक 18 मार्च को तय की। नियम नहीं, फिर भी पार्षदों को दिया जा रहा कोटा

पार्षद और महापौर को विकास कार्यों के लिए कोटा दिए जाने की व्यवस्था नगर निगम अधिनियम में है ही नहीं। इसके बाद भी 36 वर्षों से नगर निगम में कोटे की व्यवस्था चली आ रही है। इन 36 वर्षों में कोटे की धनराशि 1500 गुना बढ़ भी चुकी है। पार्षद कोटे से कराए जाने वाले कार्यों में कई तरह के खेल सामने आ चुके हैं।

इसमें बजट खपाने के लिए पहले से बनी अच्छी भली सड़क को दोबारा बनाने का खेल महापौर खुद पकड़ चुकी हैं। वर्तमान समय में प्रत्येक पार्षद के पास सालाना डेढ़ करोड़ रुपये का कोटा है, जिससे वह अपने वार्ड में विकास कार्य करा सकते हैं। नगर के विस्तारित क्षेत्र के जिन वार्डों में बजट की ज्यादा जरूरत है, वहां पर डेढ़ करोड़ ही दिया जा रहा है। जहां कम जरूरत है वहां भी इतनी की धनराशि दी जा रही है।

कोटे की धनराशि के चलते नगर निगम पर कर्ज भी बढ़ा है। नगर निगम की आय करीब 800 करोड़ है जबकि खर्च 1500 करोड़। नगर निगम पर ठेकेदारों की ही करीब 200 करोड़ की देनदारी है।

ळ–2024 में 85 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ हुई रकम रू

एक पुराने पार्षद ने बताया कि 1989 में जब एक वार्ड में दो पार्षद होते थे, तब कोटा एक लाख रुपये था। 1995 में यह बढ़कर पांच लाख हुआ। वर्ष 2000 में 20 लाख और 2006 में यह 35 लाख हो गया। 2012 में कोटा 50 लाख और 2017 में 85 लाख रुपये किया गया। वर्ष 2024 में इसे 1.5 करोड़ किया गया। पार्षद फिर से कोटे की धनराशि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नगर निगम अधिनियम में पार्षदों को जनप्रतिनिधि की बजाए 'जनसेवक' कहा गया है। आधिनियम में कोटा को लेकर कोई प्रावधान नहीं है। अधिनियम में पार्षद के सुझाव पर काम कराने जाने की व्यवस्था है। कानूनी पचड़ा न फंसे इसके लिए पार्षद कोटे को कभी वार्ड विकास प्राथमिकता निधि तो कभी पार्षद संस्तुति पर कराए जाने वाले विकास कार्य का नाम दिया गया। हालांकि, पार्षद से लेकर कर्मचारी तक इसे बोलचाल में कोटा ही कहते हैं।

बीटेक के दो छात्र निलंबित

लखनऊ, (संवाददाता)। गलत आचरण के चलते लविवि में बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के दो छात्रों को जांच चलने तक निलंबित कर दिया गया है। इस दौरान ये दोनों परिसरों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इनके छात्रावास आवंटन को भी निरस्त कर दिया गया है। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी की ओर से आदेश जारी किया गया है। प्रो. द्विवेदी ने बताया कि कि बीटेक मैकेनिकल तृतीय वर्ष के अभिजीत सिंह और आनंद कुमार पासवान पर कार्रवाई की गई है। दोनों पत्र मिलने के तीन कार्य दिवस में लिखित स्पष्टीकरण कार्यालय में दे सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टरों का 10 लाख बकाया, ऑन कॉल सेवाएं देना किया बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने बीते डेढ़ वर्ष से डॉक्टरों का 10 लाख रुपये बकाया का भुगतान नहीं किया है। इससे डॉक्टरों ने सीएचसी में ऑन कॉल सेवाएं देना बंद कर दिया है। ऐसी दशा में गर्भवती महिलाओं को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। सीएमओ के अधीन 20 सीएचसी का संचालन हो रहा है। इन सीएचसी पर प्रसव की सुविधा है। सिजेरियन प्रसव कराने के लिए सिर्फ छह बेहोशी के डॉक्टर हैं। एनएचएम ने सभी सीएचसी पर सिजेरियन प्रसव कराने के लिए जिले के 13 एनेस्थेसिया डॉक्टरों से अनुबंध कर रखा है। इन डॉक्टरों को प्रति केस बेहोशी देने पर दो हजार रुपये के हिसाब से भुगतान होता है। ग्रामीण क्षेत्र में जाने पर प्रति केस तीन हजार रुपये मिलते हैं। करीब डेढ़ साल से एनएचएम के जरिये डॉक्टरों का 10 लाख बकाया भुगतान नहीं किया गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह के मुताबिक, एनएचएम से अनुबंध किए डॉक्टरों का भुगतान कराने के लिए पत्र लिखा गया है। डॉक्टरों से निजी अनुरोध पर सेवाएं ली जा रही हैं।

2804 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी बोर्ड परीक्षा में सोमवार को दोनों पालियों में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के 2804 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हाईस्कूल में चित्रकला और इंटर में भूगोल, कृषि भौतिकी, जलवायु विज्ञान व कृषि जंतु विज्ञान समेत दूसरे विषयों के 44,823 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। डीआईओएस राकेश कुमार ने बताया कि चार सदल दल की टीमों ने 39 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखीं। माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की पहली पाली में पूर्व मध्यमा द्वितीय गृह विज्ञान, गणित एवं इतिहास, पुराण और संस्कृति विषय की परीक्षा में 44 परीक्षार्थी शामिल हुए। 10 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

18 कोर्स के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत सोमवार को स्नातक व परास्नातक के 18 पाठ्यक्रमों का परिणाम जारी कर दिया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमकॉम वाणिज्य, एप्लाइड इकोनॉमिक्स प्रथम व तृतीय, बीए एनईपी पंचम और बीएड तृतीय सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित किया गया है। एमए शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, एआईएच ग्रुप ए, पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस और एमएससी माइक्रोबायोलॉजी व बॉटनी प्रथम सेमेस्टर के नतीजे भी आ गए हैं। पीजी डिप्लोमा ट्रांसलेशन, सोशल ड्यूटीज एंड ह्यूमन राइट्स, डिजास्टर रिलीफ, बीवोक रिन्यूबल एनर्जी और शास्त्री प्रथम सेमेस्टर का भी रिजल्ट वेबसाइट पर देख सकते हैं।

समाजशास्त्र में शुरू होंगे 20 से अधिक क्रेडिट कोर्स

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र (सोशियोलॉजी) विभाग में नए सत्र से 20 से अधिक क्रेडिट कोर्स शुरू करने की तैयारी है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ यूजीसी नेट की परीक्षा के लिए तैयार करना है। हाल ही में हुई फैकल्टी बोर्ड की बैठक में विभाग की संस्तुति पर इस प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। एकेडमिक काउंसिल से मंजूरी के बाद कोर्सों की शुरुआत हो जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में स्नातक को चार वर्षीय और परास्नातक को एक वर्षीय कोर्स के तौर पर डिजाइन किया गया है। इसके तहत समाजशास्त्र विभाग में परास्नातक करने वाले विद्यार्थियों को दो सेमेस्टर में ये कोर्स चुनने और पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। पीजी के विद्यार्थियों के लिए ही विभाग ने विशेष रूप से 20 कोर्स प्रस्तावित किए हैं। इनमें कुछ वैल्यू एडेड कोर्स हैं। ? जो विद्यार्थियों को शैक्षिक तौर पर सक्षम बनाने के साथ व्यवहारिक व उनके कौशल विकास के लिए भी मददगार साबित होंगे।

डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, उछलकर गिरी महिला

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में मंगलवार को डंपर ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। जबकि नानी घायल हो गईं। घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम करके प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रही है। हादसा ऊंचाहार क्षेत्र के दिलमनपुर गांव के पास हुआ। मूल रूप से जगतपुर थाना क्षेत्र के कूड़ गांव निवासी सोनू (40) बाइक से पत्नी रीना (35) एवं नानी फूलकली (65) को लेकर गोपालपुर उधवन गांव जा रहा था। रास्ते में गंगा एक्सप्रेसवे पर मिट्टी डालने जा रहे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों गिर गए। रीना डंपर के पहिए के नीचे आ गई। इससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। जबकि फूलकली गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद गांववालों ने डंपर चालक को पकड़ लिया। गाड़ी को खड़ा कर लिया। इसके बाद सड़क जाम करके प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया।

लविवि में छह शिक्षकों की नियुक्ति पर लगी मुहर

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक में छह शिक्षकों की नियुक्ति पर मुहर लगा दी गई। इनमें से चार संविदा और दो नियमित भर्तियां हैं। विवि के विभिन्न विभागों में सेवा दे रहे 10 शिक्षकों को कॅरिअर एडवांस स्कीम के तहत मिली प्रोन्नति को भी सहमति दे दी गई। वित्त समिति और परीक्षा समिति के निर्णयों को भी स्वीकृति मिली। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, डीन व परिषद के सदस्यों की मौजूदगी रही। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि तीन विभागों में प्रोन्नति और तीन में नियुक्तियां की गई हैं। पहली बार एस्थेटिक एंड शैव फिलास्फी विभाग में प्रोफेसर पद पर नियुक्ति की गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में चार संविदा सहायक आचार्य और वेस्टर्न हिस्ट्री विभाग में एक नियमित सहायक आचार्य को नियुक्त किया गया है। वाणिज्य विभाग में डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. गीतिका टी. कपूर को एसोसिएट से प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति मिली है। अंग्रेजी विभाग में डॉ. मो. तारिक, डॉ. एचएन प्रसाद व डॉ. राजेश बाबू को एसोसिएट से प्रोफेसर, डॉ. विनीत मैक्सवेल डेविड को असिस्टेंट से एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. राज गौरव वर्मा को असिस्टेंट प्रोफेसर स्टेज दो से तीन पर प्रमोट किया गया। अप्लाइड इकोनॉमिक्स में डॉ. नागेंद्र मौर्या को असिस्टेंट से एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. करूणा शंकर कनौजिया व डॉ. जय लक्ष्मी शर्मा को भी प्रोन्नत किया गया है। बैठक में तीन शिक्षकों के खिलाफ पूर्व में गठित समिति की रिपोर्ट रखी गई। कुलपति के मुताबिक, शिक्षकों के खिलाफ तीनों मामलों में नियमानुसार अनुशासनात्मक समिति गठित करने की संस्तुति दी गई। ये शिक्षक ओरिएंटल, अरेबिक एवं पर्सियन विभाग, मानवशास्त्र विभाग और अरेबिक विभाग से हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) के उपाध्यक्ष डॉ. अरशद अली जाफरी ने कार्य परिषद पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पत्र भी लिखा है। लूटा उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि कुलपति ने मन मुताबिक लोगों को कार्यपरिषद का सदस्य बनाया हुआ है। कई वर्षों से इनकी नियुक्ति के लिए चुनाव प्रक्रिया भी नहीं हुई है, जो विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 व परिनियमावली का उल्लंघन है। राज्यपाल से हस्तक्षेप करने की मांग की है।

परीक्षा विभाग का किया घेराव

लखनऊ, (संवाददाता)। लविवि में एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने सोमवार को परीक्षा विभाग का घेराव किया। बीए के विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाया। कहा कि फ्रेंच भाषा विभाग में बीए पांचवें सेमेस्टर के 15–20 छात्रों को शून्य या एक अंक दिया गया है, जबकि उन्होंने परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया है। परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र परिणाम सही करवाने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में प्रिंस प्रकाश, अभिषेक, हर्षित शुक्ला, अंकुश चौहान, गोपी पासवान, अमित यादव, प्रीतम मौर्य थे।

सीबीएसई 10वीं में आधा घंटा देरी से मिला गणित का पेपर

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय विद्यालय आरडीएसओ में सीबीएसई की 10वीं की गणित का प्रश्नपत्र सोमवार को परीक्षार्थियों को आधा घंटा देरी से मिला। इससे परीक्षार्थी परेशान हुए। परीक्षार्थियों ने बताया कि परीक्षा सुबह 10:30 बजे से शुरू होनी थी, लेकिन प्रश्नपत्र केंद्र पर 10रू55 बजे पहुंचा। इसके बाद परीक्षा 11 बजे से शुरू हो सकी। परीक्षार्थियों ने बताया कि पेपर समाप्त होने का समय आधा घंटा बढ़ा दिया गया, जिससे प्रश्नपत्र तो पूरा हल कर लिया। फिर भी कई परीक्षार्थी परेशानी हुए। इस केंद्र पर अवध कॉलेजिएट, एलपीएस सेक्टर आई आशियाना सहित आधा दर्जन कॉलेजों के बच्चे परीक्षा दे रहे हैं। मामले में सीबीएसई कोआर्डिनेटर डॉ. जावेद आलम ने बताया कि मामला उनकी जानकारी में नहीं है। केंद्र पर पेपर पहुंचाने की पूरी निगरानी की जाती है। ऐसा हुआ है तो केंद्र व्यवस्थापक से जवाब मांगा जाएगा। उधर, प्रधानाचार्य व केंद्र व्यवस्थापक राजेश कुमार शुक्ला का कहना है ।

दिनदहाड़े ईंट से कूचकर युवक की हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बहराइच में मंगलवार की सुबह एक युवक की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना नानपारा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत केशवापुर की है। क्षेत्र के ही बहादुरपुरवा निवासी पहाड़िया (35) का केशवापुर निवासी पारस के साथ विवाद था। लगभग छह माह पूर्व पहाड़िया ने पारस के भतीजे पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया था। इसके बाद वह मुंबई भाग गया था। अभी कुछ दिन पहले वह गांव लौटा था। सुबह वह केशवपुर गया था। बताया गया कि पारस ने देखा तो दोनों में कहासुनी होने लगी। इस दौरान पारस ने गुस्से में ईंट से पहाड़िया पर हमला कर दिया। उसे तब तक पीटा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

राज्य सरकार को प्रो. बिमल के खिलाफ जांच का अधिकार

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. बिमल जायसवाल की नियुक्ति की जांच के मामले में एकल पीठ के फैसले को पलटते हुए कहा है कि राज्य सरकार को जांच का आदेश देने का पूरा अधिकार है। अदालत ने सरकार को यह छूट भी दी है कि वह नई कमेटी का गठन कर जांच करवा सकती है। न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की विशेष अपील को मंजूर करके दिया। एकल पीठ के 27 जनवरी के फैसले को चुनौती देते हुए सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने दलील दी कि स्टेट यूनिवर्सिटी एक्ट की धारा 8 सरकार को वर्तमान मामले में जांच कराने की शक्ति देती है। याचिका का प्रो. बिमल जायसवाल के अधिवक्ता ने विरोध ा करते हुए कहा कि एकल पीठ का फैसला विधि सम्मत है तथा उक्त जांच प्रतिवादी के नियुक्ति के 12 साल बाद शुरू की गई है। हालांकि, न्यायालय ने पाया कि राज्य सरकार को ऐसी जांच कराने का पूर्ण अधिकार है, लेकिन जांच कमेटी में विश्वविद्यालय का कार्यभार देखने वाला व्यक्ति नहीं होना चाहिए। प्रो. बिमल के खिलाफ बनी जांच कमेटी के अध्यक्ष कुलपति थे। कोर्ट ने कहा कि सरकार चाहे तो नई कमेटी बनाकर जांच करा सकती है, लेकिन इसमें विश्वविद्यालय के कार्यभार को देखने वाला कोई व्यक्ति नहीं होना चाहिए। प्रो. बिमल जायसवाल पर आरोप है कि उनके पिता प्रो. सियाराम जायसवाल लविवि में प्रोफेसर थे। लिहाजा वह ओबीसी आरक्षण का लाभ पाने के लिए अर्ह नहीं थे, लेकिन उन्होंने यह बात छिपाते हुए वर्ष 2005 में उक्त पद आरक्षण का लाभ पाते हुए हासिल किया। उन पर अन्य अनियमितताओं के भी आरोप हैं।

आधी रात गैर मर्द के साथ बिस्तर पर थी बहू, शक होने पर पहुंचा ससुर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में सोमवार रात इश्क में पागल प्रेमी अपनी शादीशुदा प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। कमरे में हलचल सुन महिला के ससुरालीजनों दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद युवक को पेड़ से बांधकर पीटा। इसका वीडियो भी बनाया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। मामला भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पकड़े गए युवक ने अपना नाम जामो इलाके के पूरे सिंह मिश्र गांव निवासी मो. गुलाम बताया। उसने बताया कि महिला से उसकी जान–पहचान पहले से है। कई बार उसके बुलाने पर वह मिलने उसके घर आ चुका है। सोमवार को भी महिला ने फोन करके घर बुलाया था। इसके बाद ही वह घर पहुंचा था। इस बार वह पकड़ा गया। एसओ तनुज पाल ने बताया कि महिला का पति बाहर रहता है। वह घर पर ससुर इकलाक के साथ रहती है। महिला के बुलाने पर गुलाम उसके घर गया था। रात में ससुर को संदेह हुआ तो उन्होंने पड़ोसी गुड्डू व अन्य लोगों की मदद से गुलाम को पकड़ लिया। पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर उसकी पिटाई कर दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। गुलाम को छुड़ाकर अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद गुलाम की तहरीर पर महिला के ससुर इकलाक और गुड्डू सहित एक अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सोनी लिव ने जारी किया चमक 2 - द कंक्लूजन का ट्रेलर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संगीत की धुनें फिर से गूंजेंगी, सस्पेंस और भी गहरा होगा और रोमांच अपने चरम पर पहुंचेगा! सोनी लिव की बहुप्रतीक्षित सीरीज 'चमक 2 रू द कंक्लूजन' 4 अप्रैल से स्ट्रीम होने जा रही है। यह सीजन संगीत, रहस्य और बदले की जबरदस्त कहानी को पेश करेगा। रोहित जुगराज द्वारा लिखित और निर्देशित इस वेब सीरीज ने अपनी दमदार कहानी और शानदार परफॉर्मेंस के दम पर डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक अलग मुकाम बनाया है। देखिए 'चमक 2रू द कंक्ष्लूजन', 4 अप्रैल से सिर्फ सोनी लिव पर! तीजा सूर पर कब्जे की जंग अब अपने आखिरी पड़ाव पर है! काला को अपने पिता की मौत का सच पता चल चुका है और अब वह बदले की आग में जल रहा है। प्रताप देओल और गुरु देओल से यह आखिरी टकराव उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा फैसला साबित होगा। परिवार की इज्जत बचाने के लिए काला किसी भी हद तक जाने को तैयार है। तनाव अपने चरम पर है और दांव पर सबकुछ लगा हैकृक्या काला अपने माता–पिता का बदला ले पाएगा और अपने पिता की विरासत को दोबारा कायम कर पाएगा? निर्माता और निर्देशक रोहित जुगराज ने कहा, ष्संगीत हमेशा से 'चमक' की जान रहा है, लेकिन इस बार यह काला की बदले की कहानी का हिस्सा बन गया है। हर धुन, हर गीत और हर ताल उसके दर्द, गुस्से और इरादे को और मजबूत बना देता है। यह सीजन सिर्फ बदले की कहानी नहीं, बल्कि संगीत और हिम्मत के जरिए न्याय पाने की जंग है। 'चमक' को रोहित जुगराज ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसे गीतांजलि महेलवा चौहान, रोहित जुगराज और सुमीत दुबे ने प्रोड्यूस किया है। इस सीरीज में कई बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे, जिनमें परमवीर सिंह चीमा, मनोज पाहवा, मोहित मलिक, ईशा तलवार, मुकेश छाबड़ा, प्रिंस कंवलजीत सिंह, सुविंदर (विकी) पाल और अकासा सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल भी एक खास भूमिका में नजर आएंगे।

साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में म्यांमार में फंसे भारतीय लोगों को म्यांमार से भारत लाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। साईबर फ्राड करने वाले अन्तर्राष्टीय संगठित गिरोह द्वारा भारतीय नागरिकों को विदेश में अच्छी नौकरी का झांसा देकर जबरन म्यांमार में बुलाकर साइबर फ्रॉड के कार्यों में फंसाने वाले 540 भारतीय लोग रेस्क्यू के बाद भारत वापस। उत्तर प्रदेश के 64 लोगों को एसटीएफ द्वारा की गयी गहन पूछताछ । दिनांकः 10–03–2025 को साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में म्यांमार में फंसे भारतीय लोगों को म्यांमार से भारत लाया गया।प्रशान्त कुमार पुलिस महानिदेशक उ०प्र० के निर्देशन में अभिताभ यश अपर पुलिस महानिदेशक कानून–व्यवस्थाध एसटीएफ के मार्गदर्शन में भारत लाये गये लोगों में से 64 उत्तर प्रदेश के निवासियों से राज कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई, नोयडा व श्री बृजेश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई, मेरठ के पर्यवेक्षण में पूछताछ की गयी। ज्ञातव्य है कि इन 540 भारतीय लोगों की म्यांमार देश से वापसी होने पर इनमें से 64 भारतीय नागरिक उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। उत्तर प्रदेश के रहने वाले 64 लोगों से राज कुमार मिश्र अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ फील्ड इकाई नोयडा व बृजेश कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ फील्ड इकाई मेरठ के पर्यवेक्षण में संयुक्त रूप से पूछताछ की गयी तो यह तथ्य प्रकाश में आया है कि अधिकतर लोग टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से अन्तराष्ट्रीय संगठित गिरोह, साईबर फ्राड करने वाले गिरोह के संपर्क में आये थे, जिनको अधिक वेतन का झांसा देकर विभिन्न प्रकार की नौकरी जैसे कम्प्यूटर डाटा ऑपरेटर एंव कॉल हैडलर आदि का काम बताया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय संगठित गिरोह के सदस्य द्वारा इन लोगों का ऑनलाइन वीडियो कॉल पर इन्टरव्यू भी लिया गया था और इन्टरव्यू के उपरान्त इन लोगों के पास टेलीग्राम, व्हाटसअप एवं मेल आदि के माध्यम से इनको नौकरी का नियुक्ति पत्र भी भेजा गया था। इसके बाद इन लोगों को वायुमार्ग से बैंकाक थाईलेण्ड में बुलाया गया था और बैकांक पहुँचने पर अन्तर्राष्ट्रीय संगठित गिरोह के सदस्य इन लोगों को लेकर लगभग 500 कि0मी0 दूर म्यांमार बार्डर की तरफ ले गये थे, जहाँ इनको होटल में रूकवाया जाता था। इसके बाद अगले दिन गिरोह के दूसरे सदस्य इन लोगों को म्यांमार थाईलेण्ड बार्डर पर ले जाते थे, जहाँ से इन लोगों को बीच में पड़ने वाली नदी को पार कराकर म्यांमार के डर्ल्।।क्क्ल रीजन में ले जाया जाता था, जहाँ पर संगठित गिरोह के सदस्यों के द्वारा बडे पैमाने पर इन लोगों के रहने के लिए हॉस्टल, कॉल सेन्टर, ट्रेनिंग इंसट्रीटयूट बना रखे थे। संगठित गिरोह के सदस्यो के द्वारा यहीं पर इन लोगों के पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज रखवा लिये गये थे और जो लोग इसका विरोध करते थे उन लोगों को यातनाएं दी जाती थी। संगठित गिरोह के लोगों के द्वारा इन भारतीय लोगो को काम के बदले थाई करेन्सी श्भातश (थाईलेण्ड करेन्सी) दिया जाता था, जिनको यह लोग मनी एक्सचेन्जर के माध्यम से अपने परिजनों के एकाउन्ट में भेज देते थे। अवगत कराना है कि संगठित गिरोह के लोग डर्ल्।।क्क्ल रीजन में इस प्रकार के काम करने के लिए भारत के अलावा कई अन्य देशों के नागरिकों भी इसी प्रकार से ले जाते थे जिनको साइबर फ्रॉड के माध्यम से धोधाधड़ी करने के काम में लगा दिया जाता था। एस०टी०एफ० उत्तर प्रदेश द्वारा उपरोक्त विषयगत मामले में गहनता से जानकारी की गयी है और छानबीन से जो तथ्य प्रकाश में आये हैं उनको विकसित करने के उपरान्त अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

प्रदेश में पत्रकारों के उत्पीड़न व उनपर हुए हमले तथा उनकी हत्या की घटनाओं के सन्दर्भ में तत्काल कार्यवाही करने के लिए शासन स्तर पर एक समिति का गठन जाए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बलिया। सीतापुर के महोली में पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी की हत्या के खिलाफ ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिला इकाई बलिया के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार के नेतृत्व में बुधवार को मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार सहित दो दर्जन से अधिक पदाधिकारियों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश सरकार से कई मांगें की। सौंपे गये ज्ञापन में पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से कई मांगें रखी हैं।प्रदेश में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर असामाजिक व अपराधिक तत्वों द्वारा हमले से आपकी स्वच्छ छवि को कलंकित कर रहे है। लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ आपसे ऐसे तत्वों के दमन हेतु कठोरतम दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है, प्रदेश में पत्रकारों पर आए दिन हमले हो रहे है, जो अत्यधिक चिंता व दुःख का विषय बन गया है। जनपद सीतापुर में प्रतिष्ठित एक अखबार के संवाददाता (पत्रकार) राघवेन्द्र बाजपेई की बाइक में टक्कर मार कर उनके शरीर को गोलियों से छलनी कर उनकी हत्या कर दी गई थी। शासन प्रशासन द्वारा अपेक्षित त्वरित कठोर कार्यवाही परिलक्षित नहीं हुई और आश्रितों को सांत्वना प्रदत्त किए जाने हेतु भी किसी भी प्रकार का कदम उठाया जाना दृष्टिगत नहीं हुआ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन आपसे अनुरोध कर अपेक्षा करता है कि आप अविलम्ब हमलावर रहे असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कठोरतम दंडात्मक कार्यवाही करेंगे। साथ ही दुःखी व पीड़ित आश्रित परिवार को सात्वाना प्रदान हेतु उचित कदम उठायेंगे। उनकी सुरक्षा हेतु उपाय तथा उन्हे अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग शासन के माध्यम से प्रदान करायेंगे। हमें आंदोलन हेतु कदम उठाए जाने के लिए बाध्य नहीं करेंगे। ज्ञापन में अनुरोध है कि प्रदेश में पत्रकारों के उत्पीड़न व उनपर हुए हमले तथा उनकी हत्या की घटनाओं के सन्दर्भ में तत्काल कार्यवाही करने हेतु तथा संदर्भित प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु शासन स्तर पर एक समिति का गठन आपके द्वारा किया जाय, और उस समिति में पत्रकार संगठन के प्रतिनिधि के रूप में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश को भी प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाय। हमें पूर्ण विश्वास है, कि आपके द्वारा तत्काल उपरोक्त के सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही की जायेगी तथा अपराधी तत्वों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही अभिलम्ब की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि ज्ञापन को अविलंब उचित माध्यम से मुख्य मंत्री को भेजा जाएगा। इस मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष छोटे लाल चौधरी, जनार्दन सिंह,जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, अनिल सिंह, , बीर बहादुर सिंह,सदर तहसील अध्यक्ष श्याम प्रकाश शर्मा, महामंत्री प्रभाकर सिंह, पंकज सिंह जुगनू, अध्यक्ष बांसडीह कैलाश पति सिंह, हरिवंश कुमार , हसन खां, मनोज कुमार, संतोष तिवारी, अतीश उपाध्याय,सुनील शर्मा, अभिजीत सिंह, कन्हैया वर्मा, जितेंद्र वर्मा , सुदर्शन यादव, मुकेश चौहान, संतोष सिंह, विकास सिंह, मनोज सोनी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार के नेतृत्व में सीतापुर में पत्रकार की हत्या से शासन प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। साथ ही जिलाधिकारी कार्यालय समीप शोक संवेदना व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

होली पर्व को देखते हुए खाद्य विभाग का छापा अभियान लगातार जारी

अयोध्या। होली पर्व को देखते हुए मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानो पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य विभाग द्वारा लगातार छापा मारा जा रहा है।जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व मे सहायक आयुक्त (खाद्य)– ।। मानिक चन्द्र सिंह ने गठित सचल दल टीम द्वारा लगभग 28 से 35 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।निरीक्षण मे संदिग्ध खाद्य पदार्थों का नमूना संग्रहण एवं सीज कर कार्यवाही किया।तहसील सोहावल मे उप जिलाधिकारी सोहावल के नेतृत्व मे मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार त्रिपाठी खाद्य सुरक्षा अधिकारी हिमांशु जयंत सुमित चौधरी द्वारा अब्दुल किराना स्टोर सोहावल और रवि किराना स्टोर मसौधा से रंगीन कचरी के एक–एक नमूने संग्रहित किए गए।लक्ष्मी ब्रांड विनिर्माता यूनिट से चार नमूने तथा तथा लक्ष्मी ब्रांड नमकीन के 600 पैकेट कुल 390 किलोग्राम जिसका अनुमानित मूल्य 84 हजार रुपए सीज किया गया।यादव मिष्ठान भंडार देवकाली बाईपास से खोआ और मिल्क केक के एक–एक नमूने तथा रामा डेरी देवकाली बाईपास से पनीर के एक खोवा के एक नमूने संग्रहित किए गए। सनी अवधा होटल सिविल लाइन से बेसन और पनीर के एक–एक नमूने संग्रहित किए गए।सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानिकचंद सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनूप सिंह तथा अजय कुमार सोनी द्वारा यस यस फ्रोजन फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड उरई से सफल मटर के एक नमूने लिए गए।अनार्क वेंडर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म से मैदा के दो नमूने लिए गए जिसमें शनि एग्रो फ्लोर मिल और सपना फ्लोर मिल के 7500 केजी कुल मूल्य 27500 मैदा को खाद्यकारोबार कर्ता की अभिरक्षा में चीज कर दिया गया।

१६ मार्च से चार मूल्यांकन केंद्रों पर शुरू होगी इंटर व हाई स्कूल उत्तर पुस्तिकाओ का मूल्यांकन कार्य

अयोध्या। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 16 मार्च से चार मूल्यांकन केंद्रो पर इंटर व हाई स्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं मूल्यांकन शुरू होगा।जिसके चलते सोमवार से सभी मूल्यांकन केंद्रो पर कड़ी निगरानी में उत्तर पुस्तिकाओं के भेजे जाने का कार्य जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से प्रारंभ हो गया है।इसकी निगरानी के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में ही परीक्षा प्रभारी प्रदीप मिश्र के नेतृत्व में नियंत्रण कक्ष मे बनाया गया है।इस संबंध में सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे ने बताया कि इस बार हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल चार मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं।बताया कि इस बार राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज,मोतीलाल मनोहर लाल इंटर कॉलेज तथा एम पी एल एल आदर्श इंटर कॉलेज मे उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य होगा।मूल्यांकन कार्य मे पारदर्शिता लाने के लिए सभी मूल्यांकन का केंद्र सीसीटीवी कैमरे से लैस रहेंगे।वही वहां पर तैनात पर्यवेक्षक तथा मूल्यांकन कार्य में लगे परीक्षकों की सुविधा के लिए पेयजल तथा प्रकाश व्यवस्था के लिए जनरेटर उपलब्ध रहेगी।सुरक्षा की दृष्टि से इन मूल्यांकन केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी रहेगी।बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मूल्यांकन केंद्रों पर इंटरमीडिएट तथा मनोहर लाल मोतीलाल इंटर कॉलेज तथा एम पी एम एल आदर्श इंटर कॉलेज पर हाई स्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य होगा।इन चारों मूल्यांकन केंद्रों पर 350 परीक्षकों की तैनाती रहेगी तथा प्रत्येक मूल्यांकन का केंद्र पर एक एक पर्यवेक्षक की तैनाती होगी।बताया कि जिन पर्यवेक्षकों की तैनाती इन मूल्यांकन केंद्रों होगी वे सभी राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रहेंगे।बताया कि मूल्यांकन केदो पर लगे सभी कर्मचारियों को परिचय पत्र मे रहना होगा।

यूको बैंक में एमएसएमई ,कृषि एवं रिसोर्स संगोष्ठी सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूको बैंक लखनऊ अंचल द्वारा होटल दयाल गेट वे, गोमती नगर में सूक्ष्म्म, लद्यु एवं मध्यम उद्योगों तथा कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य उद्यम से समृद्घि, कृषि से उन्ध्नति, संचय से वृद्धि के लक्ष्य्य को प्राप्ध्त करना था। संगोष्ठी में यूको बैंक द्वारा सूक्ष्म्म, लद्यु एवं मध्य्यम क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्ध्तृत चर्चा की गई । यूको बैंक कार्यालय के मिड कारपोरेट विभाग से पधारे उप महाप्रबंधक श्री भोर नीलेश विजय ने ग्राहकों द्वारा पूछे गए प्रश्ध्नों का उत्ध्तर दिया। लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख श्री आशुतोष सिंह ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारा बैंक हमेशा से ही

संगोष्ठी में यूको बैंक के प्रधान कार्यालय से पधारे उप महाप्रबंधक श्री भोर नीलेश विजय जी मुख्य्य अतिथि थे। श्री पी०एस०ओझा, राज्य्य सलाहाकार समिति के पूर्व सदस्ध्य, सम्ध्मानित अतिथि थे। श्री संजय श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक उत्तर प्रदेश विशिष्ध्ट अतिथि थे। यूको बैंक द्वारा संपूर्ण भारत में 10.03. 2025 एवं 11.03.2025 को दो दिवसीय एम०एस०एम०ई०, एग्री एवं रिसोर्स कार्निवाल मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला की कड़ी के रूप में संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस लखनऊ अंचल के एम०एस०एम०ई० के सहायक महाप्रबंधक श्री पूर्बोशीष चक्रोवोर्ती ने उद्योगों एवं कृषि को बढ़ावा देने के लिए बैंक की विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्राहक बंधुओं को पावर प्ध्वाइंट प्रस्ध्तुतीकरण के माध्ध्यम से विस्ध्तृत जानकारी दी । गणमान्ध्य अतिथियों ने सभी को संबोधित किया एवं एम०एस०एम०ई एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान योजनाओं पर प्रकाश डाला। श्री बृज शुक्ला, रिसोर्स पर्सन, उत्तर प्रदेश ने भी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। यूको बैंक के प्रधान अपने ग्राहकों की सभी प्रकार की आवश्ध्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्ध्न प्रकार की योजनाएं लॉच करता रहता है। हमें खुशी है कि हम सफलता से अपने एम०एस०एम०ई एवं कृषि क्षेत्र के ग्राहकों को भी ऋण एवं अन्ध्य सुविधाएं उपलब्ध्ध करवा कर राष्ध्ट्र की प्रगति में भागीदारी करने के अवसर का लाभ उठा रहे हैं। ग्राहक संगोष्ठी में ऋण स्ध्वीकृति पत्रों का वितरण भी किया गया। कुल 30 करोड़ रुपए के 22ऋणों के स्ध्वीध्कृति पत्र ग्राहकों को वितरित किए गए।

तम्बाकू उत्पाद प्रयोग न करने की दिलायी गयी शपथ

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

शासन के निर्देश के क्रम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 12 मार्च 2025 ''नो स्मोकिंग डे'' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार के साथ–साथ जनपद के समस्त सामु0स्वा0 केन्द्रों, समस्त अर्बन प्रा0स्वा0 केन्द्र, 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय एवं जिला पुरूष एवं महिला चिकित्सालय में वृहद हस्ताक्षर अभियान चलाकर तम्बाकू उत्पाद प्रयोग न करने की शपथ दिलायी गयी। ''नो स्मोकिंग डे'' के अवसर पर डा0 सुरेन्द्र कुमार, उप मु0चि0अ0, अधिकारी,

हरदोई द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होनें यह भी बताया कि सिगरेट पीना सेहत के लिए हानिकारक है। स्मोकिंग से लंग कैसर से लेकर हाट अटैक तक का खतरा होता है। लेकिन फिर भी इसका नशा बढ़ता ही जा रहा है। हर साल स्तन कैंसर से ज्यादा महिलाएं फेफड़ों के कैंसर से मरती हैं। धूम्रपान के कारण ब्तवदपब व्इेजतनबजपअम च्नसउवदंतल क्पेमेंमे ब्व्क् के कारण होने वाली लगभग 80: मौतें (या 10 में से 8) होती हैं। इसलिए, सिगरेट पीने से पुरुषों और महिलाओं दोनों में मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। धूम्रपान इन सभी बीमारियों का कारण बन सकता है–फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारियां, मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है, अंधापन और दृष्टि संबंधी समस्याएं, हड्डियों की कमजोरी, मसूड़ों की बीमारी, पेट में छाले इत्यादि। सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 की धारा–4 के बारे में भी बताया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू उत्पाद का प्रयोग करना दण्डनीय अपराध है। जिसका उल्लंघन करने पर रू0 200६–तक का जुर्माना किया जा सकता है। इस अवसर पर डा0 शिवम् गुप्ता, जिला सलाहकार एन0टी0सी0पी0, नीरज गुप्ता एफ0एल0सी0, हिमांशु सिंह, असित श्रीवास्तव अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर आदि उपस्थित रहे।

मरीजों के इलाज में बेहतर सेवा प्रदान कर रही एएलएस एंबुलेंस सेवा - सीएमओ

अयोध्या। प्रदेश सरकार मरीजों के इलाज मे बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए निःशुल्क ए एल एस एम्बुलेंस सेवा प्रदान कर रही है।जिसका लाभ प्रदेश के मरीजों को मिल रहा है।यह बातें सोमवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मुख्य अतिथि के रुप मे आये सीएमओ डाक्टर कुमार जिला सभागार मे कही।उन्होंने बताया कि इसका संचालन मेड केयर 365 प्राइवेट लिमिटेड संस्थान द्वारा विगत 4 वर्षों से किया जा रहा है।बताया कि एएलएस एम्बुलेंस अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है जिसमें वेंटिलेटर, मॉनिटर,सिरिंज पंप इत्यादि उपकरण मौजूद हैं, जो गंभीर मरीजों की जान बचाने हेतु प्रयोग की जाती है।बताते चले संस्थान द्वारा तैनात ईएमटी और

पायलट का दो दिवसीय प्रशिक्षण जिला सभागार में सीएमओ डॉक्टर सुशील कुमार,नोडल एएलएस एम्बुलेंस डॉक्टर दीपक पांडे और डी पी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।दो दिवसीय प्रशिक्षण में मरीजों की त्वरित चिकित्सा प्रदान करने हेतु मेड केयर द्वारा तैनात प्रशिक्षक विकास पाण्डेय ने मरीजों को अस्पताल पहुंचने तक जान बचाने हेतु प्राथमिक उपचार की जानकारी दी।इस मौके पर बेहतर कार्य करने वाले ईएमटी और चालकों को पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।इस प्रशिक्षण शिविर में ऑपरेशन हेड जोगेंद्र सिंह, मंडल प्रबंधक समीर द्विवेदी,एच आर शिवम बाजपेई, मेंटीनेंस सुपरवाइजर अमन शुक्ला मौजूद रहे।

अवैध रूप से शराब कारोबारी पर आबकारी विभाग द्वारा लगातार कसा जाता है शिकंजा – सुरेश चंद्र मिश्र

अयोध्या।होली को देखते आबकारी विभाग अवैध कारोबारियो पर लगातार कार्यवाई कर रही है। जिसके चलते अवैध रुप से शराब कारोबारियो मे हडकंप मचा हुआ है।इस संबंध मे जानकारी देते हुए सुरेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा अवैध रुप से शराब कारोबारियो पर शिकंजा लगातार चलाया जाता हैं।लेकिन इधर होली को देखते हुए आबकारी विभाग अवेध रूप से शराब व्यापारियों पर कार्रवाई करने में जुटा हुआ है। बताया सर्किल सिटी बीकापुर रुदौली सोहावल मिल्की पर में संबंधित आबकारी निरीक्षक पुलिस टीम की मदद से इन कारोबारी पर सिकंदरा कस रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा होली पर्व को देखते हुए पुराने लाइसेंस धारी बीयर बार, बियर, अंग्रेजी शराब की दुकानो पर भी आबकारी विभाग द्वारा बीच–बीच में चेकिंग अभियान आपकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहा है।जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि बीच बीच में इन पर विभाग द्वारा शिकंजा कसा जाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।